राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान

जुलाई, 2018

वर्ष 15 **अंक 7**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशु रोग पूर्वानुमान जुलाई, 2018 माह हेतु प्रस्तुत है।

जुलाई माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियां–

1. सामान्यतया जुलाई माह में आँधी–तूफान के साथ वर्षा होती है। ऐसे में पशुओं को वर्षा जनित रोगों से बचाने के उपाय करें।
2. वर्षा ऋतु के प्रारम्भ से ही जल भराव की स्थिति पर ध्यान दें एवं पशु बाड़े से जल निकासी के पर्याप्त प्रबन्ध करें ताकि पशुओं को कीचड़ से बचाया जा सके।
3. पशुओं को भीगने से बचायें, विशषकर बछड़े– बछड़ियों, मेमनों इन्यादि के भीगने से न्यूमानिया होने की सम्भावना रहती है।
4. वर्षा के समय पोखर, गड्ढों में परजीवी युक्त पानी भरा होता है अतः पशुओं को गन्दा पानी पीने से बचायें।
5. पशुओं के चारे–दानें को गन्दे बरसाती पानी के संक्रमण से बचा कर रखें इससे अन्तः परजीवियों के संक्रमण से भी बचाव होता है।
6. अत्याधिक गर्मी व नमी के वातावरण में जुताई में काम आने वाले व बोझा ढोने वाले पशुओं से ज्यादा काम न लें अन्यथा गलघोंटू की सम्भावना रहती है।
7. चारागाह में नया हरा चारा उग आया है तो भेड़–बकरियों को जरूरत से ज्यादा न चरायें ताकि उन्हें फड़किया से प्रभावित होने से बचाया जा सके।
8. इस मौसम में पशु के शरीर पर किसी भी प्रकार के घाव की देखभाल सही तरीके से करें अन्यथा घाव में कीड़े पड़ सकते हैं। अतः घाव को अच्छी प्रकार से लाल दवा से धोकर, एंटीबायोटिक मल्हम लगाये।
9. अगर मुँह–खुरपका रोग, गलघोंटू, ठप्पा रोग, फड़किया रोग आदि के टीके नहीं लगवाय है तो कृपया स्वस्थ पशुओं में टीके अब भी लगवा लें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान – जुलाई, 2018

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुँह–खुरपका रोग	गौवंश, भैंस, भेड़, बकरी	बाँसवाड़ा, भरतपुर, जयपुर, धौलपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर,, दौसा, झुंझनू, सवाई माधोपुर, अलवर, सिरोही, बाड़मेर, चूरू, अजमेर, सीकर
पी.पी.आर.	बकरी, भेड़	सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चूरू, नागौर, अजमेर, कोटा, पाली, सिरोही, जोधपुर
चेचक (माता रोग)	बकरी, भेड़, ऊँट	बीकानेर, जैसलमेर, जयपुर, बाड़मेर, जालोर, हनुमानगढ़, जोधपुर
गलघोंटू	गौवंश, भैंस	अलवर, धौलपुर, जयपुर, सवाई माधोपुर, भरतपुर, दौसा, टोंक, बून्दी, राजसमन्द, पाली, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
ठप्पा रोग (लंगड़ा बुखार)	गौवंश, भैंस	जयपुर, बीकानेर, झुंझुनू, अलवर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, सीकर
फड़किया	बकरी, भेड़	सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, जयपुर, बीकानेर, अलवर, नागौर, धौलपुर, झुन्झुनू, अजमेर
सर्रा (तिबरसा)	ऊँट, भैंस, गौवंश	बाँसवाड़ा, धौलपुर, हनुमानगढ़, कोटा, बून्दी, भरतपुर
थाइलेरिओसिस, बबेसिओसिस	गौवंश	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, धौलपुर, बून्दी, चूरू
अन्तः परजीवी (गोल–कृमि एवं फीता –कृमि)	गौवंश, भैंस, बकरी, ऊँट	बीकानेर, सीकर, धौलपुर, अलवर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा, राजसमन्द, भरतपुर, उदयपुर

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री
अंक 15 (7) 2018

भारत सरकार की सेवार्थ

बुक पोस्ट

सेवा में

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org